दैनिक जागरण 5

धनबाद, 17 अप्रैल 2009

दुर्गापुर/रानीगंज

www.jagran.com

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है सीटीसी : असीम

आसनसोल, कार्यालय संवाददाता : अंतर्राष्ट्रीय समझौता के आधार पर भारत से दिसम्बर 2009 तक हानिकारक केमिकल कार्बन ट्रेटा क्लोराइड (सीटीसी) की समाप्ति के उद्देश्य को लेकर गुरुवार को आसनसोल चैंबर आफ कामर्स में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न उद्योगों में उपयोग में आने वाले सीटीसी केमिकल का सही विकल्प सुझाया गया।

संबोधित करते चैंबर अध्यक्ष।

आसनसोल चैंबर आफ कामर्स, जर्मन टेक्निकल को-आपरेशन और डिस्ट्रिक इंडस्ट्री सेंटर के सौजन्य से आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए डा. असीम कुमार भट्टाचार्या ने कहा कि हमें सीटीसी को चरणबद्ध तरीके से हटाना होगा। जिसके लिए हमारे पास दिसम्बर माह तक का समय है। उन्होंने बताया कि सबसे हानिकारक केमिकल के रूप के सीटीसी के चिन्हित होने के बाद मोट्रिल प्रोटोकोल के तहत भारत से दिसम्बर 2009 तक सीटीसी को पूर्णतः हटा देना है। उन्होंने बताया कि ओजोन स्तर के लिए यह हानिकारक है। मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए भी ये हानिकारक है। इससे कैंसर भी हो सकता है, लीवर और किडनी क्षतिग्रस्त होने का डर है। प्रतिरोधक क्षमता को भी ये कमजोर कर सकता है। श्री भट्टाचार्या ने कहा कि भारत में ये मेटल क्लीनिंग और टेक्सटाइल उद्योग में दाग हटाने जैसे कार्यों में उपयोग होता है।

आसनसोल चैंबर आफ कामर्स के अध्यक्ष सुव्रत दत्ता और सचिव शंभूनाथ झा ने भी सेमिनार को संबोधित किया। इस अवसर पर डीआईसी के सुमन चक्रवर्ती समेत अनेक उद्योगपति और व्यवसायी उपस्थित थे।